- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 पटना समेत अन्य स्टेशनों से चलेंगी 23 पूजा स्पेशल ट्रेनें

04 अयोध्या में 2 करोड़ 3 लाख की लागत से 25 श्रीराम स्तंभ लगाने का कार्य शुरू

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, गुरुवार, 23 नवम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 284

जेबकतरा अकेला नहीं आता, तीन लोग आते हैं: राहुल

धौलपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को राजस्थान में धौलपुर के राजाखेड़ा, भरतपुर के नदबई और गंगापुर सिटी में चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

राहुल ने पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिजनेसमैन गौतम अडाणी पर निशाना साधा।

राहुल ने कहा- जेबकतरा अकेला नहीं आता। तीन लोग आते हैं। सबसे पहले एक बंदा सामने से आता है आपके ध्यान को इधर-उधर करता है। उल्टी-सीधी बात बोल देगा। दूसरा पीछे से आता है, ब्लेड से जेब काट लेता है। और, तीसरा बंदा देखता है कि जिसकी जेब कटी, अगर उसने कोई आवाज की तो उस पर आक्रमण कर दे, उसको डरा दे। भीड़ को पता लग गया तो उसको धमकाने का काम करता है।

2 अफसर समेत 4 फौजी शहीद

बीएनएम@राजौरी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो अफसर और दो जवान शहीद हो गए। आर्मी की 16 कॉर्प्स मिलिट्री यूनिट के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, जान गंवाने वालों में कैप्टन शुभम, मेजर एमवी प्रांजिल और हवलदार माजिद शामिल हैं।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में बुधवार को आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। यहां दो आतंकियों के छिपे होने की खबर है।

वहीं, आर्मी PRO ने बताया कि 19 नवंबर को कालाकोट इलाके के गुलाबगढ़ जंगल में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद से इलाके में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आज हुई मुठभेड़ में आतंकी भी घायल हुए हैं। उन्हें घेर लिया गया है। एनकाउंटर जारी है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनसे 2 पिस्तौल, 4 मैगजीन, 2 फिलर मैगजीन और 8 ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आतंकियों को 21 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। मुमताज अहमद लोन और जहांगीर अहमद लोन कुपवाड़ा के त्रेहगाम के रहने वाले हैं।

राजेश पायलट की सजा उनके बेटे को दी: नरेंद्र मोदी

भीलवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजस्थान के सागवाड़ा और कोटड़ी में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं भविष्यवाणी कर रहा हूं कि राज्य में अब कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी।

उन्होंने कहा, 'आपका कमल के अलावा किसी और को दिया गया वोट भी कांग्रेस की झोली में जाएगा। ये जो दूसरे लोग खड़े हैं, वो उनकी योजना से खड़े हैं। पिछली बार भी पाप कर वो आपकी आंखों में धूल झोंक गए, इस बार नया नाम लेकर कर रहे हैं। कांग्रेस के परिवार के खिलाफ जिसने बोला, उसकी राजनीति गड्ढे में गई। राजेश पायलट ने एक बार कहा था, अब उनकी सजा उनके बेटे को भी दी जा रही है।' मोदी ने कहा, 'कांग्रेस के लोग होर्डिंग में दलित नेता खड़गे की फोटो नहीं लगाते।' राजस्थान में विधानसभा चुनाव में प्रचार का गुरुवार को अंतिम दिन है। राज्य की 199 सीटों पर 25 नवंबर को वोटिंग होगी।

यदि कांग्रेस में कोई सच बोले और सच बोलने के कारण कांग्रेस के इस परिवार को थोड़ी सी असुविधा हो जाए, बात चुभ जाए तो मान लेना, उसकी राजनीति गड्ढे में गई। पूरी कांग्रेस में जिसने इस परिवार के खिलाफ बोला, वो मरा समझो।

राजेश पायलट एक बार कांग्रेस की भलाई के लिए इस परिवार के खिलाफ गए थे। ये परिवार ऐसा है कि राजेश पायलट को तो सजा दी। वो अब नहीं रहे। अब उनके बेटे को भी सजा दे रहे हैं। अपनी खुंदक बेटे पर भी निकाल रहे हैं।

कांग्रेस तबाह हो जाए, परिवार के खिलाफ जो आवाज उठाएगा, वह बर्बाद होकर रहेगा, ये उनकी परिवारवादी राजनीति है। डंके की चोट पर कहता हूं कि राजस्थान में इतनी बड़ी हार मिलने वाली है कि उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। बड़े-बड़े दिग्गज बोरिया-बिस्तर लेकर घर जाने वाले हैं।

स्कूल में उठक-बैठक करने पर बच्चे की मौत

ओडिशा। जाजपुर जिले में एक सरकारी स्कूल के क्लास 4 के स्टूडेंट की उठक-बैठक लगाने से मौत हो गई। बच्चा पढ़ाई के वक्त बाहर दूसरे बच्चों के साथ खेल रहा था।

इस बात से नाराज टीचर ने बच्चे को उठक-बैठक लगाने की सजा दी। थोड़ी देर बात बच्चा जमीन पर गिर गया। अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

यह पूरा मामला ओरली के सूर्य नारायण नोडल अपर प्राइमरी स्कूल का है। स्टूडेंट का नाम रुद्र नारायण था। 10 साल का रुद्र क्लास 4 में पढ़ता था। 21 नवंबर को दोपहर 3 बजे के करीब क्लास का टाइम था। मगर रुद्र अन्य बच्चों के साथ कैंपस में ही खेल रहा था।

टीचर ने जब रुद्र को देखा तो वह काफी नाराज हुए। उन्होंने न सिर्फ रुद्र को डांटा बल्कि उठक-बैठक लगाने की सजा दी। इसके थोड़ी देर बात बच्चा जमीन में गिर गया।

बच्चे के बेहोश होने की खबर उसके माता-पिता को दी गई, जो रसूलपुर ब्लॉक के पास के ओरली गांव के निवासी हैं। इस बीच टीचर बच्चे को सामुदायिक केंद्र ले गए। वहां से कटक के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

इस पूरे मामले पर रसूलपुर ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर नीलांबर मिश्रा ने कहा कि उन्हें अब तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, अगर हमें औपचारिक शिकायत मिलती है तो हम जांच शुरू करेंगे और जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

उधर बच्चे के पिता ने पुलिस में भी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हालांकि रसूलपुर के सहायक खंड शिक्षा अधिकारी प्रवंजन पति ने स्कूल का दौरा किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

धर्म देवउठनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त मानते हैं, इस दिन बिना मुहूर्त देखे भी शादी की जा सकती है...

देवउठनी एकादशी से शुरू हो गया शादियों का सीजन

बीएनएम@पटना। आज देवउठनी एकादशी है। माना जाता है चार महीने की योगनिद्रा के बाद भगवान विष्णु इस दिन जागते हैं, इसलिए इसे देव प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं।

इस दिन से ही शादियों का सीजन शुरू होता है। गृह प्रवेश और बाकी मांगलिक काम भी शुरू हो जाते हैं। देवउठनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त मानते हैं। इस दिन बिना मुहूर्त देखे भी शादी की जा सकती है। इस सीजन में मई और जून 2024 में शादियों के कोई मुहूर्त नहीं होंगे। दो सबसे बड़े मुहूर्त अक्षय तृतीया और वसंत पंचमी पर भी शादियां नहीं हो पाएंगी।

इस साल 12 मुहूर्त: नवंबर में 5 और दिसंबर में 7 दिन

ज्योतिष के मुताबिक 23 नवंबर को देव उठने के साथ शादियों का सीजन शुरू होगा। इसी दिन सीजन का पहला मुहूर्त भी है। इसको मिलाकर दिसंबर तक 12 मुहूर्त होंगे। इनमें नवंबर के 5 और दिसंबर के 7 दिन शुभ रहेंगे।

15 दिसंबर से धनु मास शुरू होगा। इस कारण अगले साल 15 जनवरी के बाद शादियां शुरू होंगी। जो कि 20 अप्रैल तक चलेंगी।

मई-जून 2024 में शुक्र ग्रह रहेगा अस्त इसलिए मुहूर्त नहीं

अगले साल 29 अप्रैल को शुक्र, सूर्य के नजदीक आ जाएगा। जिससे ये ग्रह 61 दिन तक अस्त रहेगा। ज्योतिष का कहना है कि शुक्र के अस्त हो जाने से शादियों के लिए मुहूर्त नहीं होते हैं। 28 जून को शुक्र ग्रह के उदय होने के बाद शादियां शुरू होंगी और 15 जुलाई को देवशयन होने तक मुहूर्त रहेंगे।

अक्षय तृतीया और वसंत पंचमी पर नहीं हो पाएंगी शादियां

14 फरवरी 2024 को वसंत पंचमी है। कई जगहों पर इस दिन को शादी के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है, लेकिन इस बार वसंत पंचमी पर अश्विनी नक्षत्र रहेगा। ज्योतिषियों के मुताबिक इस नक्षत्र में शादी नहीं की जाती है। इस कारण वसंत पंचमी पर विवाह मुहूर्त नहीं रहेगा। 10 मई 2024 को अक्षय तृतीया रहेगी। ये दिन भी शादियों के लिए बड़ा अबूझ मुहूर्त होता है। इस बार अक्षय तृतीया पर शुक्र ग्रह अस्त होने के कारण शादी का मुहूर्त नहीं होगा।

जरासंध महोत्सव में भाग लेने आ रहे नीतीश

राजगीर

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर के ऐतिहासिक और पवित्र पावन भूमि पर मगध सम्राट जरासंध की स्मृति स्थल पर गुरुवार को आयोजित जरासंध महोत्सव की सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। मगध साम्राज्य की राजधानी राजगीर में पहली बार राज्य सरकार के द्वारा जरासंध महोत्सव का आयोजन कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा किया गया है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा मगध सम्राट जरासंध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया जाएगा। माल्यार्पण बाद उनके द्वारा परंपरागत ध्वजारोहण किया जाएगा। इस महोत्सव में जिला के प्रभारी मंत्री सह वित्त-वाणिज्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री जितेन्द्र कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार भी शामिल होंगे। इनके अलावे सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज करायेंगे।

इस अवसर पर आयोजकों के द्वारा मुख्यमंत्री को सम्राट जरासंध की प्रतिमा और गदा भेंट किया जायेगा। इस महोत्सव में संबोधन की व्यवस्था नहीं की गयी है। राजगीर में बनाये जा रहे जरासंध उद्यान और स्मारक का मुआयना करना भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल है।

मुख्यमंत्री के आगमन पर राजगीर में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। समारोह स्थल और निर्माणाधीन जरासंध स्मारक स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है। महोत्सव कार्यक्रम के लिए जरासंध मंदिर के सामने पीपल वृक्ष के नीचे एक छोटा मंच बनाया गया है। मंच के सामने दर्शकों को बैठने के लिए पंडाल बनाया गया है।

डीएम शशांक शुभंकर, एसपी अशोक मिश्रा, एसडीओ कुमार ओमकेश्वर और डीएसपी प्रदीप कुमार द्वारा महोत्सव स्थल और निर्माणाधीन जरासंध उद्यान एवं स्मारक स्थल का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा स्थानीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया।

पुलिसकर्मी और आर्मी ऑफिसर के घर में चोरी

गया। शहर के चंदौती थाना क्षेत्र अंतर्गत कठौतिया गांव में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया है। दोनों घरों से नगदी और लाखों के जेवरात की चोरी की वारदात को अपराधियों ने अंजाम दिया है।दोनो घरों के सभी लोग छठ पूजा में अपने-अपने गांव को गए हुए थे।

आर्मी ऑफिसर प्रवीण कुमार की पत्नी नूतन कुमारी ने बताया। उनके पति गुजरात अकादमी में आर्मी ऑफिसर हैं। उनका पैतृक घर जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरहे गांव पड़ता है। बताया दीपावली के बाद हम सभी लोग छठ पूजा करने ताला लगाकर गांव चले गए थे। आज पड़ोसी से सूचना मिली कि आपके घर का लाइट जल रहा है। जिसके बाद हम यहां पहुंचे और घर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा पड़ा था। अंदर का हाल देखा तो घर में सारा सामान बिखरा पड़ा था। बड़ा ट्रंक और बक्सा भी खुला था।

पटना समेत अन्य स्टेशनों से चलेंगी 23 पूजा स्पेशल ट्रेनें

पटना। छठ महापर्व के बाद वापसी के लिए ट्रेनों में भारी भीड़ चल रही है। स्पेशल ट्रेनों में भी वेटिंग टिकट कंफर्म नहीं हो रहा है। गुरुवार को पटना समेत अन्य स्टेशनों से दिल्ली समेत अन्य शहरों के लिए 23 पूजा स्पेशल ट्रेनें चलेंगी।

- 02351 पटना-आनंद विहार स्पेशल : पटना से शाम 4 बजे
- 02245 पटना-नई दिल्ली स्पेशल : पटना से शाम 7 बजे
- 02247 पटना-आनंद विहार स्पेशल : पटना से शाम 7:10 बजे
- 04001 पटना-आनंद विहार स्पेशल : पटना से शाम 7:15 बजे
- 03255 पटना-आनंद विहार स्पेशल : पटना से रात 10:20 बजे
- 04677 पटना-फिरोजपुर कैंट स्पेशल : पटना से शाम 6:45 बजे
- 09626 पटना-उदयपुर सिटी स्पेशल : पटना से सुबह 6:45 बजे
- 03230 पटना-पुरी स्पेशल : पटना से सुबह 8:45 बजे
- 02304 पटना-हावड़ा स्पेशल : पटना से 2:40 बजे
- 01706 दानापुर-जबलपुर स्पेशल : दानापुर से दिन के 11:45 बजे
- 03247 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु स्पेशल : दानापुर से दिन के 3 बजे
- 01410 दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल स्पेशल : दानापुर से शाम 6:15 बजे
- 04812 दानापुर-भगत की कोठी (जोधपुर) स्पेशल : दानापुर से शाम 6:45 बजे
- 03225 दानापुर-सिकंदराबाद स्पेशल : दानापुर से रात 8:50 बजे
- 01420 दानापुर-पुणे स्पेशल : दानापुर से 10: 40 बजे
- 06060 बरौनी-कोयम्बटूर स्पेशल : बरौनी से रात 11:45 बजे

और सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी

- 05551/05552 सुपौल-पटना-सुपौल अनारक्षित एक्सप्रेस स्पेशल
- 05281/05282 मुजफ्फरपुर-लोकमान्य तिलक-मुजफ्फरपुर सुपरफास्ट एक्स. स्पेशल
- 05289/05290 मुजफ्फरपुर-पुणे-मुजफ्फरपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल
- 05565/05566 सहरसा-अंबाला कैंट-सहरसा एक्सप्रेस स्पेशल
- 05529/05530 दरभंगा-आनंद विहार-दरभंगा स्पेशल
- 05559/05560 दरभंगा-आनंद विहार-दरभंगा स्पेशल
- 05570/05569 रक्सौल-दरभंगा-रक्सौल अनारक्षित एक्सप्रेस स्पेशल

जेपी गंगा पथ पर वेंडिंग जोन, पार्किंग, वॉकिंग ट्रैक बनेगा

पटना। जेपी गंगा पथ के बड़े हिस्से को पटना स्मार्ट सिटी नए सिरे से विकसित करेगा। इसपर 46.26 करोड़ खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। अगले महीने से निर्माण कार्य होगा। इस कार्य को अधिकतम छह महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। रिवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत गंगा पथ के 2 किमी हिस्से को खूबसूरत बनाने के साथ-साथ कई जन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। दीघा गोलंबर से गंगा चैनल ब्रिज तक वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। अभी गंगा पथ पर जो पेवर ब्लॉक है और जहां दुकानें लगाई जाती हैं, उसी जगह पर वेंडिंग जोन बनेगा।

पैदल चलने के लिए 4-5 मीटर की जगह को यथावत रखा जाएगा और उसके बाद की 2 मीटर जगह पर वेंडिंग जोन बनेगा। यहां घूमने आने वाले लोगों के लिए दो जगह पार्किंग बनेगी। पहली पार्किंग दीघा गोलंबर और दूसरी गंगा चैनल ब्रिज के पास बनेगी। इसमें करीब 150 गाड़ियों की पार्किंग हो सकेगी।

प्रत्येक 500 मीटर के हिस्से में पब्लिक यूटिलिटी वेंडिंग जोन के साथ-साथ खूबसूरत दृश्य के लिए लैंडस्केपिंग भी बनेगी। लोगों के लिए बैठने के लिए बेंच भी लगाई जाएंगी। हर 500 मीटर पर शौचालय, पेयजल के साथ-साथ दुकान लगाने वालों के लिए बर्तन धोने की जगह भी होगी। हर 50 मीटर पर डस्टबिन रहेगा। वेंडिंग जोन के बाद नीचे की तरफ 2 मीटर का वॉक-वे भी बनाया जाएगा। इस रास्ते पर लाइट लगाई जाएगी और यहां भी लैंडस्केपिंग की जाएगी। सुरक्षा को लेकर आधुनिक तकनीक वाले कैमरे लगाए जाएंगे, जिनकी मॉनिटरिंग इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगी।

पटना जंक्शन के पास बन रहे सब-वे प्रोजेक्ट के पहले हिस्से का काम शुरू हो गया है। स्टेशन रोड में बनने वाले 440 मीटर लंबे सब-वे को बनाने का काम चल रहा है। इसके अंडरग्राउंड वाले हिस्से का निर्माण अगले महीने से शुरू होगा। अंडरग्राउंड सब-वे की लंबाई 110 मीटर होगी। महावीर मंदिर से लगने वाले हिस्से से होकर खुदाई होनी है। त्योहारी सीजन के चलते खुदाई का काम रोका गया था, अगले साल मई-जून तक इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

महावीर मंदिर के बगल से खुदाई होगी और इससे पहले यहां ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किए जाएंगे। संभव है कि स्टेशन चौक तक ऑटो व अन्य वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। सब-वे के पूरे हिस्से को रोशनी, सीसीटीवी कैमरे के साथ ही यूटिलिटी सेंटर से लैस किया जाएगा। पैडेस्ट्रियन सब-वे में आने-जाने के लिए सबकी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है।

इसमें ट्वेलाटोर, एस्कलेटर, लिफ्ट और रैंप की सुविधा की है। साथ ही कैफेटेरिया, एटीएम, खुदरा दुकानों की बुनियादी सुविधाएं जैसे पीने का स्वच्छ जल और प्रसाधन होंगे जो 24 घंटे संचालित होंगे। इस प्रोजेक्ट में तीन बड़े बदलाव किए गए हैं। इसके चलते लागत 16 करोड़ तक बढ़ गई है। शुरू में 68.85 करोड़ खर्च होने थे लेकिन अब यह राशि बढ़कर 84.83 करोड़ तक पहुंच गई है।

दो दिन में 3 डिग्री तक गिरेगा तापमान

पटना। छठ बाद मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। सुबह-शाम ठंड का असर लोग महसूस करने लगे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले 48 घंटे के दौरान राज्य के पश्चिमी के पश्चिम चंपारण, सीवान, सारण, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज समेत कई अन्य जिलों के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की कमी आएगी। इससे सुबह-शाम ठंड और बढ़ेगी। वहीं दो दिन तक राज्य के उत्तरी और दक्षिणी-पश्चिमी भागों के कुछ स्थानों पर हल्का से मध्यम, जबकि शेष इलाके में हल्का कुहासा छाने की संभावना है। अगले सात दिन तक राज्यभर का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश का मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दरभंगा और सबसे कम न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस किशनगंज में दर्ज किया गया।

राजनीतिक सत्ता खोज रहे हैं VIP सुप्रीमो मुकेश

मुजफ्फरपुर। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले छोटी पार्टियां भी अपने स्तर से तैयारी में लगी हैं। सारे दल अपने प्लान पर लगे हैं। विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो और बिहार सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी ने साफ कह दिया है कि न तो उन्हें एनडीए पसंद है और न इंडिया गठबंधन के साथ वो जाएंगे। मंगलवार (21 नवंबर) को मुकेश सहनी मुजफ्फरपुर स्थित सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने सवालों के जवाब में बताया कि उनकी असली लड़ाई किससे है।

वीआईपी सुप्रीमो और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि हमारी लड़ाई बीजेपी और सामंती विचार के लोगों के साथ है। मल्लाह के आरक्षण पर कोई समझौता नहीं करेंगे। बिहार में हमारे लोगों को तोड़ने वाले लोग टूट जाएंगे। अभी मेरा पूरा ध्यान अपने संगठन को मजबूत करने में है।। आगे निर्णय लूंगा। अभी लोगों को संकल्प कराने में लगा हुआ हूं। यह भी कहा कि आरक्षण को लेकर उनकी लड़ाई पीएम मोदी से है। मुकेश सहनी ने कहा कि हमारी लड़ाई स्कूल बनाने के लिए है। गरीबों को न्याय दिलवाने के लिए है। देश में दो कानून नहीं चलेगा। निषादों को उनके हक का हिस्सा देना पड़ेगा। गठबंधन के सवाल पर कहा कि वह किसी के साथ नहीं हैं। एनडीए के साथ तो बिल्कुल नहीं। निषाद को न्याय दिलवाने के लिए ही उन्होंने पार्टी का निर्माण किया है।

स्तूप के आसपास के क्षेत्रों को और विकसित किया जाएगा: एमडी

राज्य पर्यटन विकास निगम के एमडी ने कैफेटेरिया का किया निरीक्षण

बीएनएम@केसरिया। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर व मुख्य अभियंता संजय कुमार सिंह ने बुधवार को कैफेटेरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल भी मौजूद रहे। केसरिया महोत्सव के आयोजन के क्रम में कैफेटेरिया का भी उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा होने की संभावना है। निरीक्षण के क्रम में एमडी ने महोत्सव की तैयारी का भी जायजा लिया। उन्होंने कैफेटेरिया व बौद्ध स्तूप की साफ-सफाई आदि को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। कहा कि केसरिया महोत्सव बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण महोत्सव है। इसके आयोजन को भव्य व ऐतिहासिक बनाने को लेकर तैयारी जोरों से चल रही है। वहीं बौद्ध स्तूप के निरीक्षण के क्रम में कहा कि इस स्तूप के आसपास के क्षेत्रों को और विकसित किया जाएगा। साथ हीं यहाँ पर्यटकों के लिए आने वाले समय में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने स्थानीय गाइड सहेंद्र प्रसाद यादव से स्तूप से संबंधित आवश्यक जानकारी ली। मौके पर श्रम अधीक्षक सत्यप्रकाश, आईएफएस रवि, नपं ईओ समीर कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, बीएओ राजेश कुमार, पीओ अमित नारायण सहित अन्य मौजूद थे।

डॉ. लालबाबू यादव को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

ठाकुरराम बहुमुखी कैंपस में हुआ शोक सभा का आयोजन

दिवंगत के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

रक्सौल। वीरगंज स्थित ठाकुर राम बहुमुखी क्याम्पस के प्राणीशास्त्र विभाग (विज्ञान संकाय) में कार्यरत उप प्राध्यापक डॉ. लालबाबू प्रसाद यादव के दुःखद निधन पर आज क्याम्पस प्रशासन द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर दिवंगत के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। इस श्रद्धांजलि सभा में कैंपस के सभी प्राध्यापक तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। हाल ही में डॉ. यादव सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। उनका इलाज काठमांडू के नर्विक हॉस्पिटल में चल रहा था जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली।

विनम्र स्वभाव के धनी डॉ. यादव की पहचान एक योग्य शिक्षक के रूप में थी। उनके जाने से शिक्षा क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

पहले 'जनरल डायर' और अब 'हाथी', नीतीश कुमार को ये क्या-क्या बोले रहे मांझी

बीएनएम@मोतीहारी

स्थानीय परिसदन में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हाथी के दिखाने के दांत अलग होते हैं और खाने के अलग। यही हाल सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का है। जातीय गणना को पूरा कराने से लेकर आरक्षण के संबंध में सबकी सहमति थी। अब उसका अकेले श्रेय मुख्यमंत्री लेना चाह रहे हैं जो हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई व छोटे भाई की सरकार ने बिहार के लोगों का हक मारने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने हर मर्यादा को तार-तार कर दिया है। उन्होंने महिलाओं के लिए जो बयान दिया उसे दोहराया नहीं जा सकता। उनके बयान से पूरा देश शर्मसार है। उनके साथ भी जिस भाषा का उन्होंने प्रयोग किया वह उनकी छोटी मानसिकता को दर्शाता है।

'मेरी उम्र 80 वर्ष है और उनसे बड़ा हूं...!

जीतन राम मांझी ने कहा, 'मेरी उम्र 80 वर्ष है और उनसे बड़ा हूं। उनसे पहले से विधायक हूं। शिक्षा में भी डिग्री उनसे पहले ली। बावजूद उन्होंने जिस अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया वह निंदनीय है। घमंडिया गठबंधन के नेता ने महिलाओं व दलितों का अपमान किया है।

यह मांग पत्थर पर सिर मारने जैसी है

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर कहा कि जब नीति आयोग ने साफ कर दिया है कि किसी भी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है तो यह मांग पत्थर पर सिर मारने जैसी है। केंद्र की सरकार ने जब 1.25 लाख करोड़ का पैकेज दिया था, पहले सीएम उसका हिसाब दें। सरकार केवल राशि का दुरुपयोग कर रही है। ध्यान रहे कि इससे पहले जीतन राम मांझी ने एक्स पर पोस्ट कर नीतीश कुमार को 'जनरल डायर' बता दिया था। उन्होंने लिखा था, ₹जहरीली शराब के नाम पर दलितों को थोड़ी-थोड़ी मौत क्यों बांट रहें हैं नीतीश जी? एक ही बार जनरल डायर टाइप लाइन में खड़ा करके सबको गोली मार दिजिए, आपकी नफरत का अंत हो जाएगा।

सवाल | सख्ती के बावजूद नहीं सुधर रही है विद्यालयों की व्यवस्था

एक बजे छुट्टी और मध्याह्न भोजन भी बंद

मृत्युंजय पाण्डेय

सुगौली। बिहार के विद्यालयों में कु-व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक के सख्त रवैए के बाद भी व्यवस्था में सुधार दूर की कौड़ी बना हुआ है।

शिक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने की श्री पाठक की कवायदों को उनके शिक्षक ही पलीता लगाने से नहीं चूक रहें हैं। मामला प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी श्रीपुर भटवलिया उच्च विद्यालय का है जहां विभाग के नियम कानून नहीं चलते बल्कि यह विद्यालय यहां के प्रधान शिक्षक बाबूलाल बैठा के अपने नियम के हिसाब से चलता है।

प्रधान शिक्षक ने बुधवार को विद्यालय की छुट्टी निर्धारित समय चार बजे करने के बजाय एक बजे ही कर दी और मध्याह्न भोजन भी नहीं बनवाया। विद्यालय में समय से पहले ही छुट्टी कर दिए जाने पर ग्रामीणों ने हंगामा खड़ा कर दिया। समय से पूर्व छुट्टी किए जाने व मध्यान्ह भोजन के बावत प्रधान शिक्षक बाबूलाल बैठा से जब ग्रामीणों ने पूछा तो वे दबंगई दिखाने लगे। यहां बताते चलें कि प्रधान शिक्षक श्री बैठा की पत्नी इस पंचायत की मुखिया हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ साथ विभाग के अपर सचिव के.के.पाठक को भी किया है।

अयोध्या में ब्रावो फार्मा की 2 करोड़ 3 लाख की लागत से 25 श्रीराम स्तंभ लगाने का कार्य शुरू

दो माह में स्तंभ लगाने का कार्य कर दिया जाएगा पूरा

कार्य से चंपारणवासियों में उत्साह का है माहौल

बीएनएम@मोतिहारी

ब्रावो फार्मा रामलला की नगरी अयोध्या में श्रीराम स्तंभ लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। फार्मा अयोध्या में रामलला के मंदिर तक जाने वाले प्रमुख मार्गो में 25 स्तंभ लगाएगा। इस पर कुल 2 करोड़ 3 लाख रूपए खर्च होंगे। गौरतलब हो कि यह कार्य अयोध्या संरक्षण एवं विकास निधि समिति की देखरेख में हो रहा। दो माह में श्रीराम स्तंभ चिन्हित जगह पर लगा दिए जाएंगे। ब्रावो फार्मा के सीएमडी ने कार्य को गिलहरी के योगदान से तुलना की है। लेकिन, चंपारणवासी भगवान राम के आस्था का प्रतिक अयोध्या में स्तंभ लगाने के शुरू किए गए कार्य को मील का पत्थर का बताया है। बताते चले कि जब अयोध्या में राम मंदिर की नींव रखी जा रही थी, उस समय ब्रावो फार्मा के सीएमडी ने अपने निजी कोष से 5 लाख 51 हजार रूपए योगदान स्वरूप दिया था। श्री पांडेय ने बताया कि यह कार्य महत्वाकांक्षी 'श्रीराम स्तंभ' परियोजना अंतर्गत हो रहा।

अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा बढ़ावा

श्री पांडेय ने श्रीराम स्तंभ लगाने के कार्य की मिली जिम्मेदारी को अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने वाला अवसर बताया। कहा कि कार्य राम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों पर भव्य श्रीराम स्तंभ के निर्माण का मुझे सौभाग्य मिला है। श्रीराम स्तंभ में योगदान देकर मुझे न केवल अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने, बल्कि एक ऐसी विरासत में भी भाग लेने का सौभाग्य मिला है, जो पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी और अयोध्या के लिए एक जीवंत भविष्य सुनिश्चित करेगी।

वीरेंद्र जालान, संजय पांडेय, अमरेन्द्र सिंह, रामभजन जी, कौशल सिंह, हरीश कुमार, राजेश रंजन, वीरेंद्र प्रसाद साहू, उपेन्द्र पटेल, विनय कुमार, रविकेश मिश्रा, आर एस राहुल, रवि रंजन सिंह, समीर ,पियूष सिंह, नंदन सिंह, मृत्युंजय जी इत्यादि ने इस ऐतिहासिक सहयोग के लिए राकेश पांडेय को बधाई दी है।

समिति से फार्मा को मिल गई है सहमति

अयोध्या संरक्षण एवं विकास निधि समिति ने ब्रावो फार्मा के सीएमडी राकेश पांडेय को श्रीराम स्तंभ लगाने की सहमति दे दी है। निर्माणाधीन मंदिर जाने की दिशा में ब्रावो फाउंडेशन कुल 25 स्तंभ लगाएगा। इस पर 2 करोड़ 3 लाख रुपए खर्च होंगे। स्तंभ की लंबाई 6 मीटर होगी, जबकि चौड़ाई 1.5 मीटर रखा गया है। दो माह में चिन्हित जगहों पर दो माह में श्रीराम स्तंभ लगाने का कार्य पूरा कर लेगा।

दर्शनीय व अतुलनीय होंगे स्तंभ

श्री पांडेय ने बताया कि श्रीराम स्तंभ दर्शनीय व अतुलनीय होंगे। उन्होंने बताया कि मेरा यह निवेश इतिहास, संस्कृति एवं स्थायी भावना को बढ़ावा देने में एक गिलहरी का योगदान साबित होगा। यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि चंपारण के सभी भाई-बहनों के लिए सम्मान एवं हर्ष का विषय है। इधर, राकेश पांडेय द्वारा कराए जा रहे कार्य से चंपारणवासियों में खुशी की लहर है।

केसरिया को पर्यटन के मानचित्र पर लाने में महोत्सव की बड़ी भूमिका

बीएनएम@**मोतिहारी**। केसरिया महोत्सव केवल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं रहा है। विकास को लेकर विमर्श के एक बड़े मंच के रूप में इसका उपयोग होता रहा है। इस मंच के माध्यम से विकास की कई घोषणाएं की गईं। उनमें से ज्यादातर घोषणाएं या तो अमलीजामा पहन चुकी हैं या कार्य प्रगति पर है। स्थानीय लोग महोत्सव को विकास का एक सशक्त जरिया मानते हैं। इस अवसर पर लोग अपनी बातों को भी रखते आए हैं। महोत्सव का सफर तब शुरू हुआ था जब स्तूप का उत्खनन कार्य भी शुरू नहीं हो पाया था। ऐसा कहा जा सकता है कि स्तूप के उत्खनन में महोत्सव की भी भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री के अलावा, केंद्रीय मंत्री के रूप में भी नीतीश कुमार इस आयोजन में कई बार अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। पूर्व केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री भावना बेन चिखलिया भी महोत्सव में शिरकत कर चुकी हैं। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री सह स्थानीय सांसद राधामोहन सिंह भी महोत्सव के आयोजन बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं।

1992 में हुआ था महोत्सव का आगाज

केसरिया को पर्यटन के मानचित्र पर लाने के उद्देश्य से स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने इस महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1992 में की थी। आयोजन की सफलता से उत्साहित लोगों ने इसे प्रतिवर्ष मनाने की निर्णय लिया। अगले वर्ष 1993 में इस महोत्सव का उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल मो. सफी कुरैशी ने किया था।तब यह महोत्सव जनसहयोग से आयोजित होता था। हालांकि प्रशासन की भी इसमें सक्रिय भूमिका रहती थी। मगर 2008 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस महोत्सव का उद्घाटन करते हुए इसे प्रतिवर्ष सरकारी स्तर पर आयोजित करने की घोषणा की थी। इसके बाद बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग के कैलेंडर में इसे शामिल कर लिया गया और प्रतिवर्ष इसका आयोजन होने लगा।

महोत्सव ने केसरिया को दिए कई सौगात

इस महोत्सव के मंच से केसरिया के विकास का तानाबाना तैयार होता रहा है। वर्ष 2008 में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसी मंच से केसरिया को नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा की घोषणा की थी।इसी मंच से केसरिया के समीप गंडक नदी के सत्तरघाट पर पुल निर्माण की भी घोषणा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई थी। दोनों घोषणाएं अमलीजामा पहन चुकी हैं। महोत्सव में ही स्टेट हाईवे 74 के निर्माण की भी घोषणा की गई थी। वह सड़क भी बहुत पहले आकार ले चुकी है। वर्ष 2003 में रेलमंत्री के रूप में भी नीतीश कुमार इस महोत्सव में भागीदारी कर चुके हैं। हाजीपुर-सुगौली रेललाइन परियोजना की भी इसी मंच से घोषणा की गई थी। रेललाइन परियोजना का कार्य प्रगति पर है। वहीं, स्थानीय सांसद राधामोहन सिंह की पहल पर तत्कालीन पर्यटन राज्य मंत्री भावना बेन चिखलिया भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं।

स्तूप उत्खनन से भी पहले हुई थी महोत्सव की शुरूआत

बता दें कि जब केसरिया महोत्सव की शुरुआत हुई थी, तब स्तूप का उत्खनन कार्य भी शुरू नहीं हुआ था। इस मंच के माध्यम से बार-बार इसके महत्व की ओर ध्यान आकृष्ट कराए जाने के बाद वर्ष 1998 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा उत्खनन कार्य शुरू किया गया। आज केसरिया स्तूप देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विकास से जुड़ी आधारभूत संरचनाएं अब आकार लेने लगी हैं।

BORDER NEWSMIRROR

Thursday 23 November 2023

Editorial

चुनावी पिटारा कितना सहारा

चुनाव को लोकतंत्र का पवित्र महोत्सव कहा जाता है । अब इसकी संस्कृति का पूरी तरह से कायाकल्प हो गया है । चुनाव आने के थोड़े दिन पहले गहमा-गहमी तेज होती है और अंतिम कुछ दिनों में हाईकमान अपने कंडिडेट का ऐलान करता है । साथ ही भूली बिसरी जनता की सुधि आती है। चुनाव आते ही सभी राजनीतिक दल अपना-अपना जादू का पिटारा खोलते है और उनकी सोई हुई जन-संवेदना जागती है । आहत जनता को राहत देने के लिए कमर कसते हुए सभी दल सुविधाओं की फेहरिस्त तैयार करने में जुट जाते हैं । रेल , सड़क , स्कूल , अस्पताल , नौकरी , कर्ज यानी जीने के लिए जो भी चाहिए उस सूची में शामिल किया जाता है । चुनावी राज्यों में पुलिस द्वारा करोड़ों रुपयों की जब्ती और शराब की आवाजाही आम बात हो गई है जिनका कोई दावेदार नहीं मिलता । यह सब इसलिए होता है ताकि जनता को अधिकाधिक मात्रा में लुभाया जा सके । जन-प्रलोभनों की यह अजीबोगरीब पेशकश यह सिद्ध करने के लिए मीडिया में खूब प्रचारित की जाती है कि वैसा लोक-शुभेच्छु कोई दूसरा नहीं है । इस सिलसिले में विभिन्न दल एक दूसरे से बढ-चढ़ कर जनसेवा की हुंकार भरते नहीं थकते और धन सम्पदा लुटाने की घोषणा करते हैं । बोली लगने के माहौल जैसी यह कवायद चुनी सरकार के बजट की याद दिलाती है । अलादीन के चिराग न होने पर कमी सिर्फ यही रहती है कि नेतागण यह नहीं बताते कि इन खर्चों के लिए राजस्व और संसाधन का जुगाड़ कैसे होगा और यह सब कहां से आएगा । चुनाव की चर्चा में देश , देश का भविष्य और देश की नीतियों के सवाल ग़ायब रहते हैं और सभी दल एक दूसरे पर दोष मढ़ने को बेताब रहते हैं । तू- तू, मैं-मैं करते हुए बात बढ़ कर व्यक्तिगत अपमान और लांछन पर आ टिकती है । नेताओं पर भद्र अभद्र आरोप लगते हैं और सभ्य शिष्ट आचरण से भटक कर सही गलत प्रवाद फैक्टर जाते हैं । चुनावी दंगल में रैली , रोड शो और रेला के आयोजन करते हुए राजनीतिक दल अपना दम खम दिखाने का स्वांग करते हैं।

महंगा पड़ेगा आतंकियों को छोड़ने का निर्णय

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आतंकवादी अंत तक आतंकी ही रहता है, बहुत कम देखा गया है कि सुधार कैंपों में रहने के बाद उसकी सोच में परिवर्तन आता है, अक्सर दिखाई यही दिया है, खासतौर पर इस्लामी आतंकवाद और नक्सलवादी विचारधारा में कि वर्षों तक सुधार गृह में रहने के बाद भी इनका मानस नहीं बदलता। बाहर आते ही ये फिर से हिंसा के अपने पुराने रास्ते पर चल पड़ते हैं। वर्षों से भारत जो गलतियां कर रहा है, वही अब इजरायल करने जा रहा है, ऐसा लग रहा है। अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं गुजरे हैं, भारत के मोस्ट वॉन्टेड अपराधी शाहिद लतीफ को पाकिस्तान के पंजाब में मार दिया गया। जब यह हुआ, तब भारत के संदर्भ में इसके आतंकी इतिहास की चर्चा भी होने लगी। तारीख 24 दिसंबर 1999, दिन शुक्रवार, काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़े आईसी 814 विमान को हथियारबंद आतंकवादियों ने हाइजैक कर लिया था। इंडियन एयरलाइंस के इस विमान में 176 यात्री और 15 क्रू मेंबर्स सवार थे। इस प्लेन हाईजैक के बदले यात्रियों की जान बचाने के लिए भारत सरकार ने तीन आतंकियों मसूद अजहर, उमर शेख और अहमद जरगर को छोड़ा था। इन आतंकियों ने छूटने के बाद किया क्या? वस्तुतः यह जानना और इससे जुड़ी जो आतंकवादियों की सूची भारत सरकार को छोड़ने के लिए दी गई थी, उसके बारे में हम सभी को जरूर जानना चाहिए। शाहिद लतीफ ने 1993 में पाक अधिकृत कश्मीर के रास्ते जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की थी, जिसे 1994 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार किया गया और आतंकी मसूद अजहर के साथ उसे 16 साल तक जम्मू की जेल में बंद रखा गया था। साल 2010 में 24 आतंकवादियों के साथ भारत सरकार ने उसे भी रिहा कर दिया। लेकिन क्या उसकी सोच बदली? इस्लामिक जिहाद खासकर हिन्दुओं और भारतीय सेना को अपना निशाना बनाने से वह आगे चूका? यदि इसका उत्तर खोजेंगे तो वह है नहीं। इस आतंकी से जुड़ा एक तथ्य यह भी है कि आतंकियों ने हाइजैक किए गए जिस विमान को कंधार एयरपोर्ट पर उतारा था, उसमें उन्होंने अपने 26 आतंकी साथियों की रिहाई और 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग तत्कालीन भारत सरकार से की थी। शाहिद लतीफ भी उन 25 पाकिस्तानी आतंकियों की सूची में शामिल था। आगे जब शाहिद को 2010 में मनमोहन-सोनिया-राहुल गांधी की कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान के प्रति सद्भावना प्रेम के तहत रिहा किया, तब भी उसकी मूल इस्लामिक मजहबी कट्टरवादी आतंकी सोच में कोई परिवर्तन नहीं आया और उसने रिहा होने के छह साल बाद पठानकोट हमले को अंजाम दिया। पठानकोट में दो जनवरी 2016 को एयरफोर्स एयरबेस पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने हमला कर दिया था । लगभग चार दिनों तक चली गोलीबारी में सात सुरक्षाकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई थी। यहां थोड़ा रुकिए। गंभीरता से सोचिए, एक आतंकवादी को छोड़ने का कितना बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ गया, कूटनीति के नाम पर पहले अटल सरकार, फिर मनमोहन-सोनिया की कांग्रेस सरकार के निर्णय ने भारत को कितना कष्ट में डाला है ! यह सिर्फ इस एक आतंकी के खौफनाक मंसूबों की यहां बात नहीं है। ज्यादातर हर आतंकी का इतिहास ही इसी प्रकार का है । कंधार प्लेन हाईजैक के बदले यात्रियों की जान बचाने के लिए भारत सरकार ने तीन आतंकियों मसूद अजहर, उमर शेख और अहमद जरगर को छोड़ा था।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's **Opinion**

बांग्लादेश में शेख हसीना की वापसी भारत क्यों चाहता है

आर.के. सिन्हा

पड़ोसी देश बांग्लादेश में 12वां संसदीय चुनाव 7 जनवरी, 2024 को होगा। जाहिर तौर पर भारत की इन चुनावों पर करीबी नजर रहने वाली है। बांग्लादेश में चुनाव की घोषणा के साथ स्वाभाविक रूप से राजनीतिक तनाव और उपद्रव शुरू हो गए हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने मांग की है कि चुनाव एक गैर-पार्टी अंतरिम सरकार की निगरानी में हों। इसके नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग ने विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है और कहा है कि चुनाव शेख हसीना के नेतृत्व में ही होंगे। इस बीच, भारत की चाहत होगी कि अगले चुनाव में भी अवामी पार्टी को सफलता मिले। इसमें कोई शक नहीं है कि शेख हसीना भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखती हैं और भारत भी उन्हें हरसंभव सहयोग देता रहता है। शेख हसीना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध मजबूत हो रहे हैं, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों और आपसी विश्वास और समझ पर आधारित हैं। भारत ने शेख हसीना को विगत सितंबर के महीने में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में मित्र देश के रूप में आमंत्रित किया था। हालांकि बांग्लादेश जी-20 का सदस्य देश नहीं है, पर भारत ने बांग्लादेश को मेजबान तथा जी-20 के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित करके साफ संकेत दे दिया था कि वह पड़ोसी मित्र देश को बहुत अहमियत देता है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमेशा इस तथ्य को माना है कि भारत ने बांग्लादेश की आजादी में महत्वपूर्ण रोल निभाया। शेख हसीना के लिए भारत की राजधानी नई दिल्ली तो दूसरे घर की तरह की है। उन्होंने यहां सन 1975 से 1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजारा था। तब उनके साथ उनके पति डॉ.एम.ए.वाजेद मियां और उनके दोनों बच्चे भी थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधु शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त, 1975 को कत्ल कर दिया गया था ढाका में। उस भयावह कत्लेआम के समय शेख हसीना अपने पति और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं। इसलिए उन सबकी जान बच गई। शेख हसीना के परिवार के कत्लेआम ने उन्हें बुरी तरह से झकझोर दिया था। वे टूट चुकी थी। तब भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दी थी। बेशक, शेख हसीना के जीवन में दिल्ली का बहुत महत्व रहा है। यहां उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सड़क भी है। शेख मुजीब उर रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वे 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आए थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उस दिन राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही थी। उन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया था। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी सारी कैबिनेट ने उनका स्वागत किया था। हवाई अड्डे पर दोनों देशों के राष्ट्रगान हुए। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक के मार्ग पर हजारों दिल्ली वाले उनका हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहीं छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत-बांग्लादेश संबंध वर्तमान समय में ठीक दिशा में बढ़ रहे हैं। सन 1947 में धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना और 1972 में पाकिस्तान टूटा। उस टूट से निकला बांग्लादेश। पाकिस्तान में एक वर्ग बांग्लादेश से इस आधार पर नाराज रहता है कि उसने 'टू नेशन थ्योरी' को गलत साबित कर दिया। जो कभी एक थे, उनमें से एक की राह अलग है, शेष दो से। वर्तमान में पाकिस्तान के भारत और बांग्लादेश दोनों से ही बेहद तनावपूर्ण संबंध चल रहे हैं। कमोबेश सांकेतिक राजनयिक संबंधों के अलावा भारत और बांग्लादेश ने पाकिस्तान से दूरियां बनाई हुई हैं। बांग्लादेश फूटी नजर से भी नहीं देखता पाकिस्तान को।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

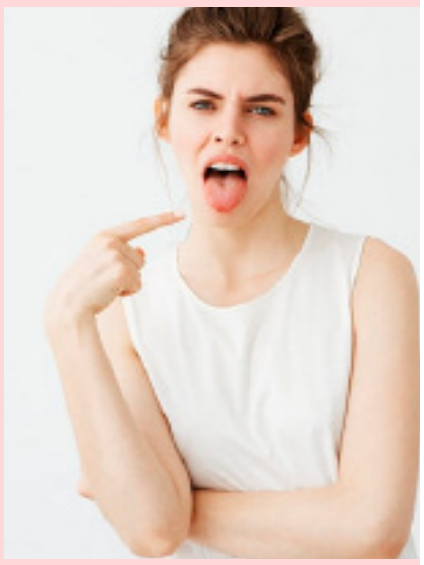

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

घर को एलर्जी से दूर रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर पर हे फीवर या एलर्जी अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करना आम हो रहा है। एलर्जी हमेशा किसी एक मौसम में नहीं होती है। ये साल के किसी भी समय आप पर हमला कर सकती है। हालांकि जब बाहर की दुनिया की बात आती है तो आप बदलाव नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें

याद रखें कि बेडरूम आपके परिवार के हर सदस्य के लिए आराम की जगह है। अगर परिवार में किसी को पालतू जानवरों से एलर्जी है, तो अपने पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें। अपने पालतू जानवरों को एक अलग कमरे में सुलाएं। उन्हें हफ्ते में एक बार नहलाएं ताकि उनके फर से एलर्जी दूर हो सके।

कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

फर्नीचर का चुनाव सोच-समझकर करें

क्या आप हर बार सोफे पर लेटने पर असुविधा महसूस करते हैं? फर्नीचर में अपहोल्स्ट्री या गंदगी इसका कारण हो सकती है। आप अपहोल्सट्री के बिना सोफा और कुर्सियों को चमड़े, लकड़ी, धातु या प्लास्टिक से बने फर्नीचर से बदल सकते हैं। ये साफ करने में आसान होते हैं और एलर्जी को भी दूर रखते हैं।

फ्रिज को साफ रखें

रेफ्रिजरेटर को साफ रखना आपकी रसोई को एलर्जी मुक्त और स्वच्छ रखने की दिशा में एक जरूरी कदम है। फ्रिज में ज्यादा नमी को पोंछें।

दाग-धब्बे हटाकर फ्लॉलेस स्किन पाने के लिए इस्तेमाल करें ये पानी

गर्मियों के मौसम में स्किन पर कई तरह की एलर्जी और एक्ने हो जाते हैं। इनसे आपको छुटकारा तो मिल जाता है लेकिन इनके खत्म होने के बाद आपकी स्किन पर निशान रह जाते हैं। जिसकी वजह से आपकी चेहरे की खूबसूरती बिगड़ जाती है। स्किन पर दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए आप घर के बने एलोवेरा और चावल के पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां जानें कैसे बानएं और कैसे करें इसका इस्तेमाल।

कैसे बनाएं चावल का पानी

चावल का पानी बनाने का सबसे तेज तरीका इसे भिगोना है। इसके लिए आधा कप कच्चा चावल लें और फिर अच्छी तरह धो लें। फिर चावल को 2-3 कप पानी के साथ कटोरे में रखिये। फिर 30 मिनट के लिए भीगने के लिए छोड़ दें। बाद में चावल के पानी को साफ बर्तन में छान लें। चावल का पानी तैयार है।

कैसे बनाएं एलोवेरा और चावल का पानी

इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ एलोवेरा जेल और चावल के पानी की जरुरत होती है। इसके लिए आपको दोनों चीजों को बस मिक्स करना है और फिर उसे एक तरफ रख दें।

कैसे करें इसका इस्तेमाल

खूबसूरत फ्लॉलेस स्किन के लिए इस पानी को रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल करें। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को अच्छे से साफ करें। फिर इस पानी को चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें और लगा कर छोड़ दें। फिर अगली सुबह चेहरे को अच्छे से धो लें। अच्छे रिजल्ट के लिए इसको रोजाना के स्किन केयर में शामिल करें।

एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।

चावल का पानी आपके चेहरे के लिए अच्छा होता है। चावल का पानी आपकी स्किन को चमक देने के लिए जाना जाता है। इसमें विटामिन ई, एंटीऑक्सिडेंट और फेरुलिक एसिड होता है जो आपके रंग को टोन, कसने और चमकदार बनाने में मदद करता है।

वहीं एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।

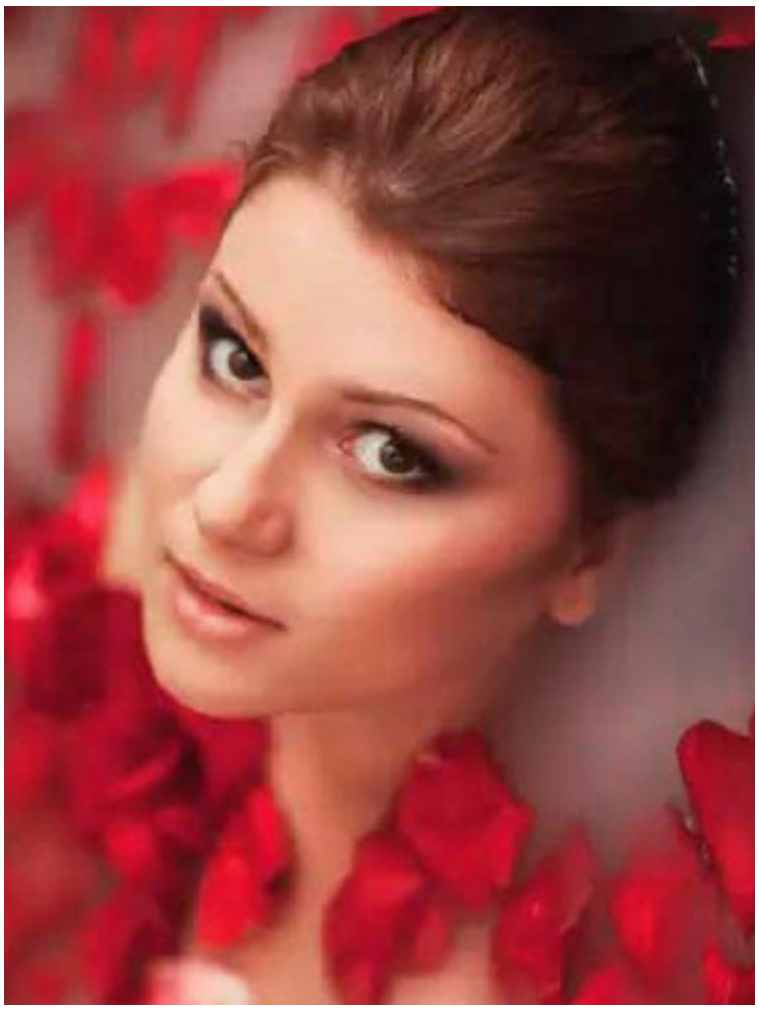

पसीने की बदबू दूर करने के कारगर DIYs, स्किन प्रॉब्लम्स भी हो जाएंगी दूर

शरीर से दुर्गंध आना कई लोगों की एक आम समस्या है और गर्मी के मौसम में ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके पसीने में दूर ही काफी बदबू आती है।

गौर करें, तो पसीना आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पसीना गंधहीन होता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि पसीना अगर गंधहीन यानी इसमें कोई भी महक नहीं होती, तो फिर कई लोगों के पसीने से बदबू क्यों आती है। यह शरीर पर बैक्टीरिया का विकास है, जो गंध का कारण बनता है।

बाजार में कई बॉडी टैल्क और डिओडोरेंट्स उपलब्ध हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बदबू का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ठीक से नहाएं

नहाना सबसे अहम है। जिन लोगों को ज्यादा पसीना आता है, उन्हें रोजाना और दो बार नहाना चाहिए। एक अच्छे एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। आप ककड़ी, एलोवेरा, टी ट्री ऑयल, नीम या मेन्थॉल से दिन में दो बार बॉडी वाश भी ले सकते हैं। इससे शरीर से बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नीम की पत्तियां

नीम के कई औषधीय गुण हैं। मुट्ठी भर नीम की पत्तियों में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। 15 मिनट के लिए लगाएं और धो लें। नीम के पत्तों को पानी की बाल्टी में डालें और उस पानी से नहाएं।

नारियल का तेल

नारियल के तेल के कई फायदे होते हैं। नहाने के बाद अंडरआर्म्स पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल तेल के रोजाना इस्तेमाल से भी अंडरआर्म्स का कालापन हल्का हो जाएगा। नारियल के तेल में पौष्टिक गुण होते हैं। यह स्किन को नमीयुक्त और पोषण भी देगा।

पानी पिएं

पर्याप्त पानी पीने से आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे। यह शरीर से टॉक्सिक को बाहर निकालता है, जिससे शरीर में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटा दिया जाता है। साथ ही, पानी एक न्यूट्रलाइजर है, तो यह आंतों में बैक्टीरिया की रोकथाम भी करेगा।

मीठा सोडा

बेकिंग सोडा के पेस्ट को बराबर भागों में कॉर्न स्टार्च के साथ लगाने से नेचुरल डियोडोरेंट का काम होगा।

BNM Fantasy

Thursday
23 November 2023

पति राज कुंद्रा के साथ ट्रोल हुईं शिल्पा

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने 90 के दशक में कई लोकप्रिय फिल्मों में काम किया है। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके पति राज कुंद्रा इस वक्त चर्चा में हैं। अब राज कुंद्रा पर 'यूटी69' फिल्म 03 नवंबर को स्क्रीन पर आएगी। इस फिल्म में राज कुंद्रा मुख्य भूमिका निभाएंगे।। अब हाल ही में कुंद्रा कपल का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पति राज कुंद्रा के साथ-साथ शिल्पा शेट्टी भी चेहरे पर मास्क लगाए नजर आ रही हैं। शिल्पा ने पति की तरह ब्लैक मास्क पहना था। शिल्पा और राज कुंद्रा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

नवरात्रि पर दीपिका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया 'सिंघम अगेन' से अपना लुक

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिंघम' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इसके बाद इस फिल्म के दूसरे पार्ट 'सिंघम-2' को भी दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट 'सिंघम अगेन' दर्शकों के सामने आएगा। इसी बीच इस फिल्म में दीपिका पादुकोण का लुक दर्शकों के सामने आ गया है। फिल्म 'सिंघम अगेन' में दीपिका लेडी सिंघम शक्ति शेट्टी का किरदार निभाएंगी। नवरात्रि के अवसर पर दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सिंघम अगेन' से अपने लुक की तस्वीर शेयर की है। फोटो में दीपिका पुलिस की वर्दी में नजर आ रही हैं। दीपिका के हाथ में बंदूक नजर आ रही है। वह अपने दूसरे हाथ में गुंडे का सिर पकड़े नजर आ रही हैं। दीपिका गुंडों से घिरी नजर आ रही है। इस फोटो को शेयर करते हुए दीपिका ने लिखा, 'शक्ति शेट्टी से मिलिए'। कुछ दिनों पहले 'सिंघम अगेन' की शूटिंग शुरू होने पर इस मौके की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। रोहित के साथ अजय देवगन और रणवीर सिंह भी सिंबा के लुक में मौजूद थे। फिल्म में अजय और रणवीर के साथ अक्षय कुमार भी अहम भूमिका निभाएंगे। 'सिंघम अगेन' 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2' भी रिलीज होगी। इसलिए बॉक्स ऑफिस पर नॉर्थ और साउथ के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलने की संभावना है। दीपिका के काम की बात करें, तो कुछ दिनों पहले उनकी फिल्म 'जवान' रिलीज हुई थी।

एक्शन थ्रिलर में लीड रोल में नज़र आएगी पूजा हेगड़े

रोशन एंड्रयूज करेंगे डायरेक्ट

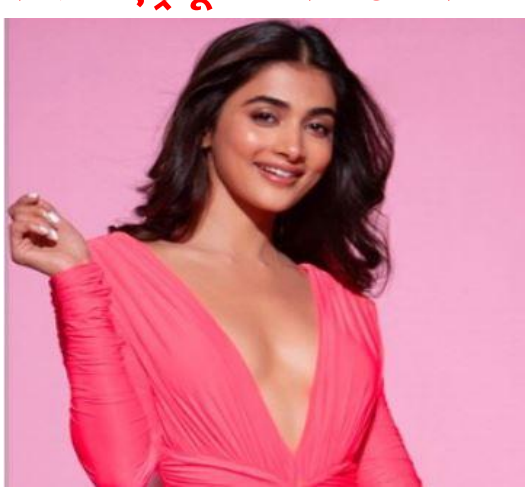

पूजा हेगड़े, जिन्हें आखिरी बार बॉलीवुड में सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान में देखा गया था, एक और दिलचस्प मनोरंजन के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री, जो अपने साउथ और बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के बीच जूझ रही हैं, उम्मीद है कि उन्होंने शाहिद कपूर के साथ एक थ्रिलर फिल्म साइन की है। यह घोषणा अभिनेत्री के जन्मदिन के अवसर पर प्रोडक्शन हाउस ज़ी स्टूडियोज़ और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा की गई थी। रोशन एंड्रयूज के निर्देशन में बनने वाली इस एक्शन थ्रिलर को ज़ी स्टूडियोज़ और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा निर्मित किया जाने वाला है। ज़ी स्टूडियो के सीईओ शारिक पटेल और निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा, "पूजा हेगड़े को बोर्ड पर लाना हमारे लिए एक आसान निर्णय था क्योंकि वह बेहद वर्सटाइल और होनहार हैं । जिन भी अभिनेताओं के साथ उनकी जोड़ी बनी है, उनके साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री व्यापक रूप से पहचानी जाती है, और हमें यकीन है कि दर्शकों को इस फिल्म में उनका दूसरा पक्ष देखने को मिलेगा। हम पूजा को बोर्ड पर पाकर बहुत खुश हैं ।" अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने कलाकारों में शामिल होने के बारे में अपना उत्साह साझा किया और कहा, "यह एक रोमांचक लेकिन अलग कहानी वाली एक बहुत ही खास फिल्म है। रोशन एंड्रयूज बड़े पर्दे पर जादू बुनने के लिए जाने जाते हैं, और मैं इस यात्रा को शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।" ताकि दर्शक मुझे ऐसी अनोखे और अलग भूमिका में देख सकें। मैं शाहिद कपूर के साथ काम करने के लिए भी उत्सुक हूं; वह एक शानदार कलाकार हैं और मुझे उम्मीद है कि हमारा सहयोग यादगार रहेगा।"पूजा हेगड़े को हाउसफुल 3, अला वैकुंठपुरमुलू और बीस्ट जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जानी जाती है । यह फिल्म 2024 में रिलीज होने वाली है।